

रुद्राक्ष धाम में सात दिवसीय श्रीराम कथा शुरू, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

रामकथा : श्रद्धा और विश्वास है तो जीवन में सब कुछ मिलता है : प्रेमभूषण महाराज

जागरण, सागर। रामचरित मानस का लाभ प्राप्त करने के लिए मनुष्य के अंदर श्रद्धा भाव सबसे आवश्यक है। मानस जी का प्रारंभ भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के प्रसंग से शुरू होता है। इसके पीछे भी यह सबसे बड़ा कारण है कि भगवान शिव विश्वास के प्रतीक हैं और माता पार्वती श्रद्धा की प्रतीक हैं। जिस मनुष्य में श्रद्धा और विश्वास का भाव उपस्थित होगा वही रामचरितमानस में गोता लगाकर भगवान का दर्शन प्राप्त कर सकेगा। यह उद्गार सागर स्थित रुद्राक्ष धाम में निर्मित भव्य कथा मंडप में सप्त दिवसीय श्री राम कथा का गायन प्रारम्भ करते हुए पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए व्यक्त किए।

सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेममूर्ति पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के पावन संकल्प से आयोजित सात दिवसीय रामकथा गायन के क्रम में कहा कि श्रद्धा और विश्वास नहीं है तो कुछ भी प्राप्ति नहीं होती है। जैसे संशय स्वरूपा माता सती श्रीराम कथा सुनने गई लेकिन कथा उनके कान में नहीं उतरी। जिसकी जितनी श्रद्धा दृढ़ है उसको उतनी ही भगवद् फल की प्राप्ति है। श्रद्धा में अर्पण और समर्पण हो तो श्रद्धा अवश्य फल प्रदान करती है। पूज्यश्री के अनुसार हम जो करते हैं उस पर हमें ही विश्वास नहीं होता है तो फिर कैसे भगवान का दर्शन होगा।



खटपट मिटे तो झटपट दर्शन होगा। लाख कोई समझाए, भटकना नहीं है। जो इष्ट हैं उनमें केवट भैया और शबरी मैया की तरह से निष्ठ रहना है। सुग्रीव जी की तरह नहीं बनाना है। भगवान से मिलने के बाद भी संसार में लिपट कर भगवान को ही भूल गए। पूज्य महाराज जी ने कहा कि हम जिस युग में जी रहे हैं वहां कोई भी मनुष्य विकारों से दूर नहीं रह पाता है। कामनाओं के मैल मन में तरह-तरह के

विकार पैदा करते रहते हैं और इससे मनुष्य का जीवन कष्टमय हो जाता है। अगर हम सहज रहना चाहते हैं, सहज जीना चाहते हैं तो हमारे पास इस कलियुग के मैल को काटने और धोने का एकमात्र साधन है श्री राम कथा। काम, क्रोध, लोभ, मद और मत्सर आदि विकार कलमल कहे जाते हैं। इससे बचने का एकमात्र सहज साधन श्री राम कथा ही है। मानस जी में लिखा है इस कथा को जो सुनेगा, कहेगा

तीसरा मार्ग अपनाने से बचें

पूज्य श्री ने कहा कि अगर हमारे घर में जीवित माता-पिता हैं तो वही हमारे भगवान हैं। माता-पिता की सेवा करके हम वह सब प्राप्त कर सकते हैं जो हम भगवान से चाहते हैं। श्री रामचरितमानस में यह बताया गया है की माता-पिता की आज्ञा मानने वाले, गुरु और अपने से बड़ों की आज्ञा मानने वाले सदा ही सुखी रहते हैं। उन्होंने बताया कि धरती पर तीन प्रकार के लोग होते हैं। एक तो अपने प्रारब्ध के कारण सब कुछ जानने के कारण उचित कार्य ही करते हैं, दूसरे वह हैं जो दूसरों के अच्छे कार्य को देखकर समझ के कार्य करते हैं। और तीसरे वह हैं जो गलत करते हैं भुगतते हैं और तब उससे सीखते हैं। हमें तीसरा मार्ग अपनाने से बचना चाहिए।

और गाएगा वह सब प्रकार के सुखों को प्राप्त करते हुए अंत में प्रभु श्रीराम के धाम को भी जा सकता है। पूज्यश्री ने कहा कि जब मन पर कलमल का प्रभाव हो तो चाह कर भी मनुष्य सत्कर्म के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता है। मनुष्य का मन उसकी बुद्धि उसके अपने कर्मों के अधीन है। हम जो भी कर्म करते हैं उसे हमारा क्रियमाण बनता है। यही कर्म फल एकत्र होकर संचित कर्म होता है और फिर कई जन्मों के लिए यह प्रारूप प्रारब्ध के रूप में जीव के साथ जुड़ जाता है।

सीएमओ की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह



जागरण, मालथौन। नगर परिषद मालथौन के मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रभुशंकर खरे सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्ति पर नगर परिषद स्टाफ द्वारा विदाई समारोह ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और विभागीय अधिकारी कर्मचारीगण सम्मिलित होकर उन्हें श्रीफल शॉल तथा स्मृतिचिन्ह भेंटकर ससम्मान विदाई दी। खरे सेवानिवृत्ति पर उनके परिवार जन कार्यालय पहुंचे। उत्साह के साथ बैंडबाजों से लेकर आए समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता रामकुमार बघेल ने उनके कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम में नय अध्यक्ष जयंत सिंह बुन्देला ,श्रीमती मीनादेवी कुशवाहा बरोदिया, उपाध्यक्ष मालती अहिरवार, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह लोधी, नीतेश यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता रावराजा राजपूत,आरसी डेव,ओमकार सिंह सिसोदिया, सिरनाम सिंह तोमर, प्रमोद तिवारी, कोमल यादव, रूपकिशोर नामदेव ,गोलू राय सहित पार्षदगण, पत्रकारगण, गणमान्य नागरिकगण शामिल हुए।

शादी भाग कर नहीं, जागकर करें: आचार्य अरविंद



जागरण, सागर। श्री सिद्ध बाबा धाम धार समनापुर में चल रही संगीत मय श्रीमद् भागवत महापुरण में आज महा रास की कथा कंस वध रुक्मणी विवाह प्रसंग श्रवण कराया गया रुक्मणी विवाह प्रसंग में कथा व्यास जी ने कहा कि शादी भाग कर नहीं जाग कर करनी चाहिए। जितना बच्चों के विषय में माता-पिता उचित सोच सकते हैं उनना दुनिया का अन्य व्यक्ति नहीं। आधुनिक परिवेश में मर्यादित जीवन अति अनिवार्य है।

पीएम श्री हायर सेकंडरी स्कूल में कैरियर गाइडेंस मेला का आयोजन, जानकारी दी



जागरण, सीहोरा। नगर की शासकीय पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल में शासन के निर्देशानुसार 27 जनवरी से 31 जनवरी तक करियर गाइडेंस मेला का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मेला के दौरान छात्र-छात्राओं को उनके पसंदीदा विषयों में विशेष रुचि लेकर विभिन्न प्रतियोगी प्रीक्षाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया गया कि आप जिस विषय में रुचि रखती हैं उस पर विशेष ध्यान देकर अपना लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करें और लगन परिश्रम के साथ पढ़ाई करें। उपस्थित शिक्षक और शिक्षिकाओं ने बच्चों को विश्वास दिलाते हुए कहा की आपको जहां भी परेशानी और सीखने की जिज्ञासा हो तो तत्काल संपर्क करें पढ़ाई में जो समस्या आ रही हो तत्काल बताएं जिससे आपकी विषय की तैयारी अच्छी होगी और सफलता मिलेगी। ग्राम की वृज बिहारी तिवारी ने कहा मैं कृषि कार्य करता हूँ पहले शिक्षण कार्य भी कर चुका हूँ जो भी करता हूँ पूरी लगन और तन्मयता से करता हूँ कोई भी काम में शर्म नहीं आनी चाहिए। एडवोकेट कमल रजक ने सुक्ष्मदर के साथ छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। स्कूल के प्राचार्य एस आर पटेल, व्याख्याता नवीन रावत, रावत जी, के एल अहिरवार, के एल रजक ,आर के पाटकर , आशुतोष तिवारी, श्रीमती अनीता जड़िया, श्रीमती अर्चना शुक्ला, श्रीमती सरिता ताम्रकार, श्रीमती नम्रता जैन,श्रीमती कल्पना पटेल, सुनीता साहू, श्रीमती गरिमा सोनी, श्रीमती ज्योति, श्रीमती वैदेही राजपूत सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

पांच दिवसीय कैरियर सप्ताह मेला का समापन



जागरण, जैसीनगर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक संदीपिनी विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12 वीं के छात्रों के लिए आयोजित पांच दिवसीय कैरियर सप्ताह मेला शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम पूर्व डीएसपी एवं राष्ट्रीय कार्य मदन मोहन समर की उपस्थिति रहे। उन्होंने अपनी ओजस्वी कविताओं की पंक्तियों के माध्यम से छात्रों का उत्साहवर्धन किया और कैरियर चयन, पुलिस विभाग में कैरियर बनाने की प्रक्रिया, आवश्यक तैयारी और संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष हरनाम सिंह ने छात्रों को राजनीति, समाज सेवा, संगठन, एनजीओ और बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू जैसे कोर्सों के अवसरों की जानकारी दी, जबकि कृषि विभाग के एआईओ चित्तामन आवास ने कृषि क्षेत्र में कैरियर बनाने की विस्तृत जानकारी साझा की।

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य के.एल. सिलावट, नोडल अधिकारी केएम बडोनिया और कार्डसलिंग प्रभारी रोशनी मिश्रा, समाजसेवी सुरेंद्र सिंह ठाकुर, राधेंद्र सिंह ठाकुर सहित विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएँ और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षिका रानू राजोरिया ने आभार व्यक्त किया।

CHANGE OF NAME AND D.O.B.
I, URMILA DEVI, IS MOTHER OF ARMY NO-4591721W/RANK-NK, NAME-VIKRANT PANDEY SERVING INDIAN ARMY HOME ADDRESS- VILL. PANDEYDIH, POST-KOIRIDH, DIST-DEOGHAR, STATE-JHARKHAND, PIN CODE-814152. HAVE CHANGED MY NAME FROM URMILA DEVI TO SHILA DEVI AND MY DATE OF BIRTH FROM 02/04/1965 TO 01/01/1965 VIDE AFFIDAVIT DATED 31/01/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

कलेक्टर ने किया लोअर चंदिया डैम का निरीक्षण, दिए निर्देश



जागरण, गौरझामर। एसडीओपी के स्थानांतरण पर गौरझामर थाने में विदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें एसडीओपी शशिकांत सरयाम का थाना प्रभारी नासिर फारूकी ने श्रीफल फूलमालाओं से सम्मान कर बधाई दी और उनके कार्यकाल की प्रशंसा की गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों देवरी क्षेत्र के पुलिसकर्मियों ने उनके कार्यकाल की सराहना की।

अज्ञात कारणों के चलते नीलगाय की मौत

जागरण, राहतगढ़। वन परिक्षेत्र अंतर्गत खुरई तिगड़ा के पास एक वन्यप्राणी नीलगाय की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। घटना के संबंध में ग्रामवासियों ने वन परिक्षेत्र कार्यालय में सूचना दी। जिसके बाद रेंजर मनीषसिंह ने वन अमले को भेजा। जहां मौके पर उक्त नील गाय मृत अवस्था में पाया गया। मौके पर पंचनामा कर पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम करवाकर वन परिक्षेत्र राहतगढ़ की निगरानी में अंतिम संस्कार कराया गया। कार्यवाही में डिप्टी रेंजर हरगोविंद अहिरवार नीलेश मोतीराम घोषी आदि मौजूद थे।

मंत्री राकेश सिंह का आज सागर आगमन

जागरण, सागर। लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह का 1 फरवरी को सागर आगमन प्रस्तावित है। लोकार्पण विभाग मंत्री राकेश सिंह 1 फरवरी को प्रातः 10:45 बजे भोपाल से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे सागर पहुंचेंगे। तत्पश्चात मंत्री सिंह दोपहर 2 बजे बहैरिया रोड बमोरा स्थित रुद्राक्ष धाम मंदिर परिसर में प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे।

धर्म-कर्म

वंशीपहाड़पुर के पत्थरों से बगैर आयरन से तैयार हो रहा 66 फुट ऊंचा मंदिर का गर्भगृह

देश का प्रथम संत रविदास मंदिर ले रहा पूर्ण आकार

जागरण, सागर। अयोध्या धाम के भगवान श्री रामलला मंदिर में लगे राजस्थान के धोलपुर वंशीपहाड़पुर के लाल पत्थरों से देश का प्रथम 101 करोड़ रु. की लागत का संत रविदास मंदिर पूर्ण मूर्तरूप ले रहा है संत रविदास मंदिर 66 फुट ऊंचा होगा। मंदिर के गर्भगृह में किसी भी प्रकार के लोहे का उपयोग नहीं होगा, केवल पत्थर, रेत, गिट्टी का उपयोग करते हुए मंदिर को भव्य एवं दिव्य रूप दिया जा रहा है।मंदिर के शुरू होने से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि विगत वर्ष संत रविदास जंयती के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के द्वारा 101 करोड़ रु. की लागत से संत रविदास मंदिर, संग्रहालय की घोषणा की गई थी। जिसका भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। उन्होंने बताया कि संत रविदास मंदिर के निर्माण की केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि संत रविदास मंदिर एवं संग्रहालय में जो प्रमुख रूप से विशेषताएं रहेगी, उनमें बारहवीं-तेरहवीं शताब्दी का समय भारत में भक्ति आंदोलन का समय था। मध्यकाल में कई संतों ने सामाजिक समानता और जाति आधारित भेदभाव उन्मूलन पर बल दिया। इनमें रविदासजी महान सुधारक और सत्य के उपदेशक बनकर प्रमुख संत के रूप में प्रतिष्ठित हुए। अपनी रचनाओं के माध्यम से रविदासजी ने ईश्वर के एक रूप का स्वीकार किया,



जाति भेद की आलोचना की और समानता का समर्थन किया। 'संत शिरोमणि' उपाधि प्राप्त गुरु संत रविदास को लोग 'रैदास' के नाम से भी जानते हैं। संवत 1377, काशी में माघ पूर्णिमा के दिन जन्मे संत रैदास की रचनाएँ आध्यात्मिक एवं सामाजिक रूप से काफी प्रगतिशील रही। रैदासजी ने अपने आचरण तथा व्यवहार से प्रमाणित किया कि मनुष्य जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान बनता है।

संत रविदास मन्दिर और संग्रहालय

मध्यप्रदेश सरकार, संत रैदास के सामाजिक परिष्कार एवं एकता के विचार और लोक- परिमार्जन एवं मानवता की वाणी को रक्षित करने का प्रयास करने जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने संत रविदास के सराहनीय कार्यों को महान श्रद्धांजलि देने का विचार किया है। साथ ही, संत रविदास की वाणी-विरासत को सुरक्षित रखकर नई पीढ़ी तक पहुंचाने हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 'संत रविदास मन्दिर और संग्रहालय' का निर्माण करने जा रही है। सागर जिले में मन्दिर एवं संग्रहालय का निर्माण श्रद्धेय कवि व समाज सुधारक संत रविदासजी के सत्कार्यों को अंजली देना एवं उनके जीवन-मूल्य व विरासत को उजागर करना है। समानता एवं ईश्वर के प्रति समर्पण भाव इस मन्दिर और संग्रहालय का केन्द्र बिंदु बनेगा। संत रविदास मंदिर एवं संग्रहालय का भवन - संत रविदास मन्दिर एवं संग्रहालय परिसर विभिन्न सुविधाओं के साथ देश-विदेश के कई साधक, संशोधक एवं भक्तों को आकर्षित करेगा। आधुनिक संसाधन, रोशनी, पेड़-पौधों से परिसर का वातावरण ज्ञान के साथ सुकून का अनुभव करायेगा। साथ ही, इस परिसर की डिज़ाइन वास्तुकला के आधार से तैयार की जायेगी।

